BHU NEWS

VOL. 05 No. 8 MARCH 2009

SPECIAL ISSUE

PRESS, PUBLICATION & PUBLICITY CELL

91st CONVOCATION

BANARAS HINDU UNIVERSITY

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

www.bhu.ac.in

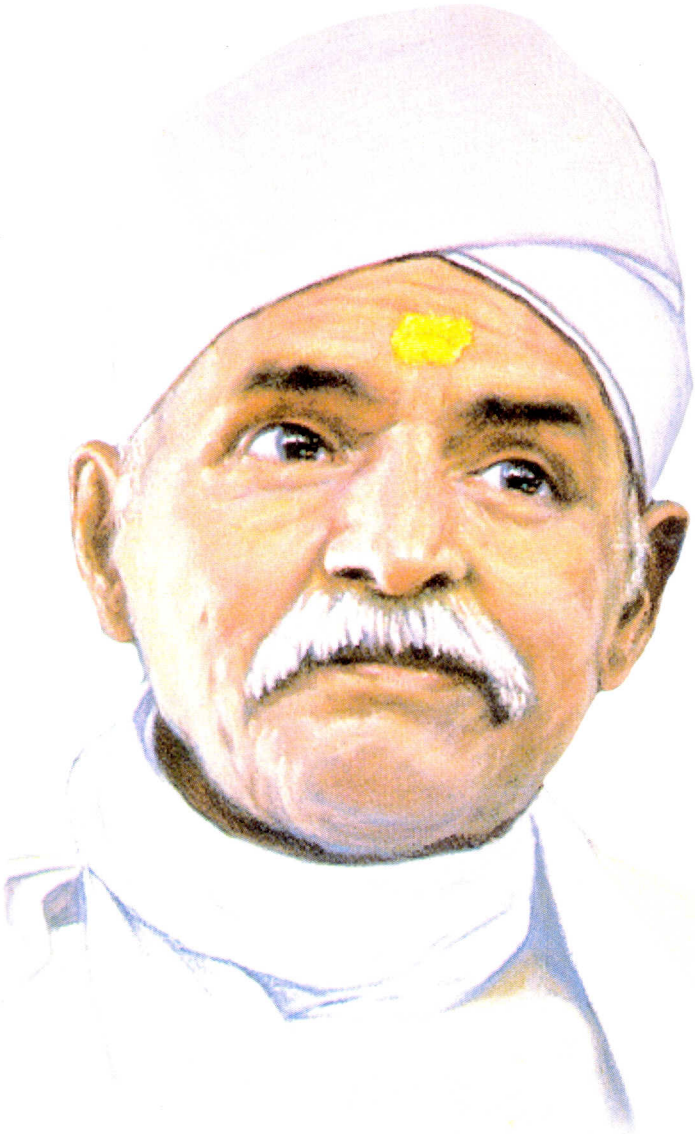

Pandit Madan Mohan Malaviya

Founder of the University

Malaviya
Vaani

India is not a country of Hindus only.
It is a country of the Muslims, the Christians and the Parsees too.
The country can gain strength and develop itself only
when the people of different communities in India live in
mutual goodwill and harmony.

It is my earnest hope and prayer that this centre of life and light,
which is coming into existence, will produce students who will not
only be intellectually equal to the best of their fellow students
in other parts of the world, but will also live a noble life,
love their country and be loyal to the Supreme ruler.

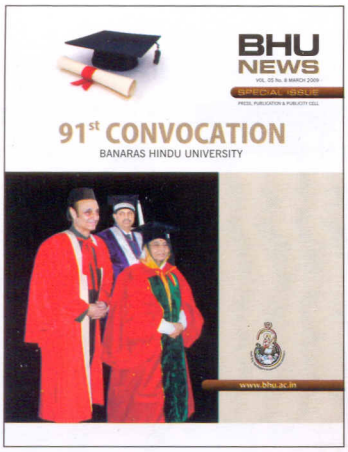

Vice-Chancellor
Prof. D. P. Singh

Rector
Prof. B. D. Singh

Director
Institute of Medical Sciences
Prof. Gajendra Singh

Director
Institute of Technology
Prof. S. N. Upadhyay

Director
Institute of Agricultural Sciences
Prof. S. R. Singh

Registrar & Controller of Examinations
Dr. K. P. Upadhyay

Finance Officer
Mr. Parag Prakash

Chief Proctor
Prof. H. C. S. Rathore

Dean of Students
Prof. S. K. Sharma

Chairman
Press, Publication and Publicity Cell
Prof. Rajesh Singh

Concept, Compilation & Edited by : **Prof. Rajesh Singh**, Chairman, PP&P Cell & **Mr. Rajesh Singh**, APRO
© PRESS, PUBLICATION & PUBLICITY CELL

BHU NEWS

VOL. 05 No. 8 MARCH 2009

SPECIAL ISSUE

दीक्षांत विशेषांक

अनुक्रम

दीक्षांत उद्बोधन 04
कुलाधिपति की दीक्षा 06
स्वागत भाषण 07
पदक प्राप्तकर्त्ता 11
चित्रमय झलकियाँ 14
समाचार क्लिपिंग 16

FOR LIMITED CIRCULATION ONLY

'Newsletter' also available on website www.bhu.ac.in

दीक्षांत उद्‌बोधन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील का अभिभाषण

वाराणसी, 13 मार्च, 2009

देवियों और सज्जनों,

मुझे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर प्रसन्नता हो रही है। इस अवसर पर मैं आप सबको शुभकामनाएं देती हूँ।

काशी नगरी में स्थित यह एक विख्यात विश्वविद्यालय है। काशी भारतीय संस्कृति, साहित्य, और संगीत का केन्द्र रहा है। यहाँ पतित-पावन गंगा के साथ सांस्कृतिक विविधता की धाराएँ बह रही हैं जो भारत की एक अनूठी पहचान है। यह हमारे संतों, मनीषियों, महापुरुषों की जन्म और कर्म-स्थली रही है। यहाँ तुलसीदास जी ने रामचरित मानस की रचना कर जहाँ समाज को संस्कारित किया वहीं सारनाथ में भगवान गौतम बुद्ध ने सत्य, अहिंसा और मानव प्रेम का अपना प्रथम उपदेश भी दिया था।

पंडित मदन मोहन मालवीय जी ने शिक्षा के महत्त्व को जानकर और अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए वर्ष 1916 में यहाँ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थापित किया। इसका मुख्य उद्देश्य भारत की प्राचीन संस्कृति को संजोकर रखते हुए, आधुनिक शिक्षा देकर अधिक-से-अधिक संख्या में देशभक्त नागरिकों को तैयार करना था, जो राष्ट्र प्रेम की भावना से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकें। सही शिक्षा की यही सही दिशा है।

जिस विश्वविद्यालय का ऐसा प्रभावशाली इतिहास रहा है, स्वाभाविक है कि उसका अपना एक विशिष्ट स्थान होगा। जिस कार्य का प्रारम्भ मालवीय जी ने किया था, उसे आगे ले जाना हम सभी का कर्तव्य है। इस अवसर पर हम इस विश्वविद्यालय की नींव रखने वाले मालवीय जी और इस महत्त्वपूर्ण कार्य में सहयोग देने वाली विभूतियों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। यह भी खुशी की बात है कि डॉ. कर्ण सिंह जैसे विद्वान व्यक्ति इसका नेतृत्व कर रहे हैं।

शिक्षा राष्ट्र के प्रत्येक क्षेत्र को विकसित करती है और हरेक क्षेत्र को सिंचित करके देश में समृद्धि लाती है। जिस प्रकार शरीर में हृदय सब अंगों को रक्त पहुँचाकर ऊर्जावान बनाता है, उसी प्रकार शैक्षिक संस्थाएं समाज, शासन, विज्ञान, कला और साहित्य के क्षेत्र में योग्य और कुशल मानव संसाधन उपलब्ध कराते हैं। इन संस्थानों पर यह जिम्मेदारी है कि वे ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करें जो देश व समाज के विकास और प्रगति में योगदान दे सकें। इसी कारण कई बार कहा जाता है कि विश्वविद्यालयों द्वारा दी जा रही शिक्षा का स्तर ही देश की प्रगति और समृद्धि का मापदण्ड है। मैं

समझती हूँ कि आप इस मापदण्ड पर खरे उतरेंगे। इस संदर्भ में, मैं यह कहना चाहती हूँ कि सभी को शिक्षा के अवसर मिलने चाहिए। देश के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की विशेष भूमिका होती है। विश्वविद्यालयों को महिलाओं की शिक्षा, उन्हें कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करने के लिए निरन्तर कार्य करना चाहिए।

आज के समय में कोई इस बात से इंकार नहीं कर सकता कि अपने और अपने परिवार के सदस्यों के अच्छे जीवन निर्वाह के लिए हमें पर्याप्त धन कमाना पड़ता है। लेकिन इसके लिए दो महत्त्वपूर्ण सिद्धान्त ध्यान में रखे जाने चाहिए- पहला, सही तरीके से धन कमाना। दूसरा, कमाने के साथ-साथ समाज कल्याण करना। अत्यधिक उपभोक्तावाद, धन का लालच रखने से समाज को बड़ा नुकसान होगा। इन सिद्धान्तों का पालन न करने से प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक बोझ पड़ रहा है, भ्रष्टाचार में वृद्धि हो रही है और कुछ हद तक युवाओं में आपराधिक प्रवृत्तियाँ भी बढ़ रही हैं। यह चिन्ता की बात है।

वर्तमान समय कठिन और चुनौतीपूर्ण है, जहाँ एक तरफ समृद्धि के साथ-साथ गरीबी, भुखमरी और बीमारियाँ मौजूद हैं। वहीं दूसरी तरफ बढ़ती हुई संगठित हिंसा और आतंकवादियों द्वारा किये जा रहे हिंसात्मक कार्यों की चुनौती है। ऐसे समय में उच्च शैक्षिक संस्थानों को अपनी विशेष भूमिका निभानी होगी।

विद्यार्थियों में ऐसे मानवतावादी मूल्यों का संचार करना चाहिए जो जीवन भर उनका मार्गदर्शन करते रहें। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कई

महत्वपूर्ण शिक्षाएं दी हैं जिनसे छात्रों को परिचित कराया जाना चाहिए। जैसे, गांधी जी ने कहा था-

"गरीब से गरीब और कमजोर से कमजोर व्यक्ति का चेहरा याद करें जिसे आपने देखा हो, और स्वयं से पूछो कि जो काम आप करने जा रहे हो, क्या वह उस व्यक्ति के लिए किसी भी रूप में फायदेमंद होगा?"

गांधी जी का यह कथन सदैव याद दिलाता रहेगा कि आपको किस दिशा में कार्यरत रहना चाहिए। यदि सभी शिक्षक अपने विद्यार्थियों को उत्तम गुणों से सम्पन्न करेंगे तो उनमें सामाजिक न्याय, सहबंधुत्व और सहनशीलता की भावना आयेगी। इससे अनेकता में एकता के बीच फलफूल रहे हमारे लोकतंत्र और राष्ट्र के विकास में तेजी आयेगी। विश्वविद्यालयों को ऐसी ही शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था करनी चाहिए।

आधुनिक युग विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी का है। इस क्षेत्र में नित नई-नई खोजें और अनुसंधान हो रहे हैं। इन सबका उपयोग आज की चुनौतियों का सामना करने और मानवता की भलाई करने में सहायक होगा, ऐसी उम्मीद है। भारत के विश्वविद्यालयों को अनुसंधान के क्षेत्र की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अग्रणी बन सके।

मैं उन सभी विद्यार्थियों को बधाई देना चाहती हूँ जिन्हें आज दीक्षांत समारोह में उपाधियाँ प्रदान की गई हैं। आज आप अपने जीवन के एक नये चरण में प्रवेश कर रहे हैं। मैं समझती हूँ कि आपमें उत्साह भरा हुआ है और ऐसा होना स्वाभाविक ही है। आप अपने प्रयासों में सफल हों, इसके लिए मेरी शुभकामाएं हैं। इस अवसर पर यह भी याद रखना जरूरी है कि आपकी सफलता में, आपके परिवार के सदस्यों से लेकर मित्रों, समाज, राज्य और वे जिन्होंने ये ज्ञान मंदिर स्थापित किये हैं, सभी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आपको यह सफलता इन सभी के कारण मिली है। जो शिक्षा आपने प्राप्त की है, निस्संदेह वह आपकी एक मूल्यवान सम्पत्ति है। आप यह अवश्य ध्यान में रखें कि यह सम्पत्ति जो आपने प्राप्त की है और समाज का जो विश्वास आपने प्राप्त किया है, उसका इस्तेमाल आप सामाजिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में करेंगे। विद्या वह धन है जिसमें कोई हिस्सा नहीं माँग सकता। इसकी कभी चोरी नहीं हो सकती या यह दूसरों को बाँटने से कम नहीं होती, बल्कि बढ़ती है। यह आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मैं इस अवसर पर यह आह्वान करना चाहूँगी कि राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया में आप सभी युवाओं को आगे आना पड़ेगा। भारत एक युवा राष्ट्र है जिसमें युवकों की संख्या सर्वाधिक है। इसी कारण यह कहा जाता है कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथ में है और युवा ही भारत का भविष्य हैं। मैं समझती हूँ कि देश में समानता की भावना, गरीबी और अज्ञानता के निवारण के हमारे राष्ट्रीय अभियान में सुशिक्षित नवयुवकों को अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती होगी। शिक्षित नवयुवकों को इन विषयों पर गहन चिन्तन करना होगा। उन्हें वैयक्तिक या वर्गगत स्वार्थों की संकीर्ण भावनाओं से ऊपर उठने का प्रयास करना होगा। उनकी व्यक्तिगत सफलताएं ऐसी हों जिनसे न केवल समाज का भला हो अपितु राष्ट्र को भी उपलब्धि हासिल हो सके।

अंत में मैं यह कहना चाहूँगी कि आज यहाँ काशी में आकर मुझे खुशी हुई। यहाँ भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परम्परा के दर्शन होते हैं। काशी में ही तुलसीदास जी ने भारतीय दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया था। उनका कथन है-

परहित सरिस धर्म नहीं भाई
पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।

अर्थात् दूसरों की भलाई के समान अन्य कोई श्रेष्ठ धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा पहुँचाने से बड़ा कोई अधर्म नहीं है। इस प्रकार परोपकार और अहिंसा की भावना की आज एक बड़ी आवश्यकता है। मैं चाहती हूँ कि आप इस शिक्षा को याद रखें और जब कभी कोई दुविधा हो तो आप इन्हें अपने जीवन में अपनाएं।

मुझे विश्वास है कि इस विश्वविद्यालय में आपको प्राप्त शिक्षा से, आने वाले वर्षों में, समाज और देश को लाभ मिलेगा। मैं आपके सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ तथा कुलपति, सभी अध्यापकों और कर्मियों को मेरी शुभकामनाएं।

धन्यवाद,

जय हिन्द।

जीवन में सफलता के लिए विद्यार्थियों को प्रमाद छोड़ने की डाक्टर कर्ण सिंह की दीक्षा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ९१वें दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. कर्ण सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने विद्यार्थियों को उपदेश दिया कि वे जीवन में प्रमाद छोड़कर सदाचरण और उपासना करें। उन्होंने छात्र-छात्राओं को सदा सच बोलने, गुरूदक्षिणा से प्राप्त धन विद्या संस्थान को देने, धर्म, स्वाध्याय, प्रवचन, देवकार्य, पितृकार्य में प्रमाद न होने देने तथा माता, पिता, आचार्य, अतिथि, राष्ट्र में देवभाव रखने की दीक्षा दी। उन्होंने कहा कि वैभव के अनुसार ही दान करना चाहिए। डॉ. कर्ण सिंह ने कहा कि आज प्रसन्नता का विषय है कि देश की प्रथम महिला राष्ट्रपति मेरे और विश्वविद्यालय के निमंत्रण पर दीक्षान्त भाषण करने के लिए यहाँ पधारी हैं। इस अवसर पर मैं उनका हार्दिक स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व इस विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, तत्कालीन उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत, तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम दीक्षान्त भाषण कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि मालवीय जी का यह विश्वविद्यालय अपनी पहचान बनाये रखते हुए दिन-प्रतिदिन उन्नति करता जा रहा है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर माननीय कुलपति का स्वागत भाषण 13 मार्च 2009

महामहिम राष्ट्रपति जी, माननीय कुलाधिपति जी, माननीय विशिष्ट अतिथि डॉ. देवी सिंह शेखावत जी, कुलसचिव जी, विद्वत परिषद एवं कार्यकारिणी के माननीय सदस्यगण, माननीय अतिथिगण, अधिकारीगण, विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य, उपाधि ग्रहण करने वाले समस्त विद्यार्थी, पत्रकार बंधुओं, देवियों और सज्जनों।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के इंक्यानवें दीक्षान्त समारोह में स्वागत उद्‌बोधन देते हुए मुझे अपार गौरव की अनुभूति हो रही है। इस शिक्षापीठ की जिस आसंदी को महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी ने स्वयं सुशोभित किया। जिस आसंदी को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनन ने गौरवान्वित किया। उस प्रतिष्ठित कर्तव्य-पालन की आसंदी पर रहकर आज मुझे महामहिम राष्ट्रपति महोदया, अपने कुलाधिपति महोदय तथा विशिष्ट अतिथि महोदय का स्वागत करते हुए सर्वाधिक गौरव का अनुभव हो रहा है।

इस दीक्षान्त समारोह के पुनीत अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति महोदया की प्रेरक उपस्थिति से इस विश्वविद्यालय के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। आपको अपने बीच पाकर हम कृतकृत्य हैं। आपके दीक्षान्त उद्‌बोधन से आज हम सभी ज्योर्तिमय होंगे।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, विद्वता की प्रतिमूर्ति माननीय डॉ. कर्ण सिंह जी का मार्गदर्शन एवं संरक्षण हमें मिल रहा है जिसके आलोक में हमारे प्रगति पथ का प्रदीप प्रज्जवलित हो रहा है।

आज के इस स्मरणीय अवसर पर आदरणीय डॉ. देवी सिंह शेखावत जी की गरिमामयी उपस्थिति हमारे लिए उत्साहवर्धक

है। माननीय डॉ. शेखावत लब्ध-प्रतिष्ठित शिक्षाविद् हैं तथा अनेक शिक्षण संस्थाओं के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मैं अपने विश्वविद्यालय के तीन संस्थानों के निदेशकों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, पन्द्रह संकायों के संकाय प्रमुखों, एक सौ चालीस विभागों के विभागाध्यक्षों, पन्द्रह सौ शिक्षकों, सात हजार अधिकारी-कर्मचारियों तथा पच्चीस हजार विद्यार्थियों की ओर से आपका वंदन करता हूँ। समस्त काशीवासियों की ओर से भी मैं आपका अभिनंदन करता हूँ।

मैं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद तथा विद्वत परिषद के मानवीय सदस्यों, नगर-महापौर जी, सम्माननीय अतिथियों, विभिन्न विश्वविद्यालयों के उपस्थित माननीय कुलपतियों एवं भूतपूर्व कुलपतियों, समस्त आचार्यगण, मीडिया जगत के प्रतिनिधिगण एवं नगर के गणमान्य नागरिकों, देवियों और सज्जनों का भी स्वागत करता हूँ। आज के दीक्षान्त समारोह में जिन विद्यार्थियों को उपाधियां एवं पदक प्रदान किये जाने हैं मैं उनका भी अभिनन्दन करता हूँ।

महामहिम जी! महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जी के पुण्य से फलित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रगति का इतिहास अत्यन्त गौरवशाली है। समय का वातायन एवं इतिहास के पृष्ठ गवाह हैं कि इस देश के लोकतंत्र को सुदृढ़ एवं समृद्ध करने में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। महामना इस विश्वविद्यालय में प्राचीन ज्ञान एवं आधुनिक विज्ञान का समवेत समन्वय चाहते थे जो राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया से विद्यार्थियों को जोड़कर उन्हें आदर्श नागरिक बना सकें।

दीक्षांत समारोह के पुनीत अवसर पर महामहिम जी हम आपको विनम्रतापूर्वक अवगत कराना चाहते हैं कि महामना के इस शिक्षामंदिर की समग्रता, श्रेष्ठता और पवित्रता हेतु हम आज भी प्रयासरत हैं। संस्कारों की शिक्षा के प्रति हम आज भी सजग हैं। मानव मूल्यों के बीजारोपण की प्रक्रिया आज भी यहाँ जारी है।

हम महामना के सपनों के अनुरूप इस विश्वविद्यालय को आगे ले जाने हेतु कृत संकल्पित हैं। हमारी सद्इच्छा है कि महामना के इस परिसर में हमारे विद्यार्थी देशभक्ति के गीत गुनगुनाएं। हमारा प्रयास है कि यह विश्वविद्यालय राष्ट्र निर्माण की सतत् पाठशाला बनी रहे। हमारा संकल्प है कि सर्वविद्या की इस राजधानी में सत्य, सदाचरण, शांति, अहिंसा और प्रेम जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतिष्ठापन होता रहे। हमारी कोशिश है कि महामना की इस बगिया में दया, करुणा, सद्भाव, सौहार्द और भाईचारे के फूल खिलते रहें। महामहिम! हमारा यह भी प्रयास है कि शान्ति और पर्यावरण के क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय सम्पूर्ण विश्व में एक मार्गदर्शी संस्था की भूमिका निभाए। महामना की दृष्टि के अनुरूप ज्ञान-विज्ञान और आध्यात्म

के समन्वय पर आज भी हमारा ध्यान केन्द्रित है।

अंत में एक बार पुनः मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। आपसे प्रार्थना है कि आप अपना आशीर्वाद हमारे विश्वविद्यालय पर बनाये रखें जिससे कि ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में हम और हमारे विद्यार्थी सुदक्ष होकर महामना के संकल्पों के अनुरूप नये भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

जय हिन्द।

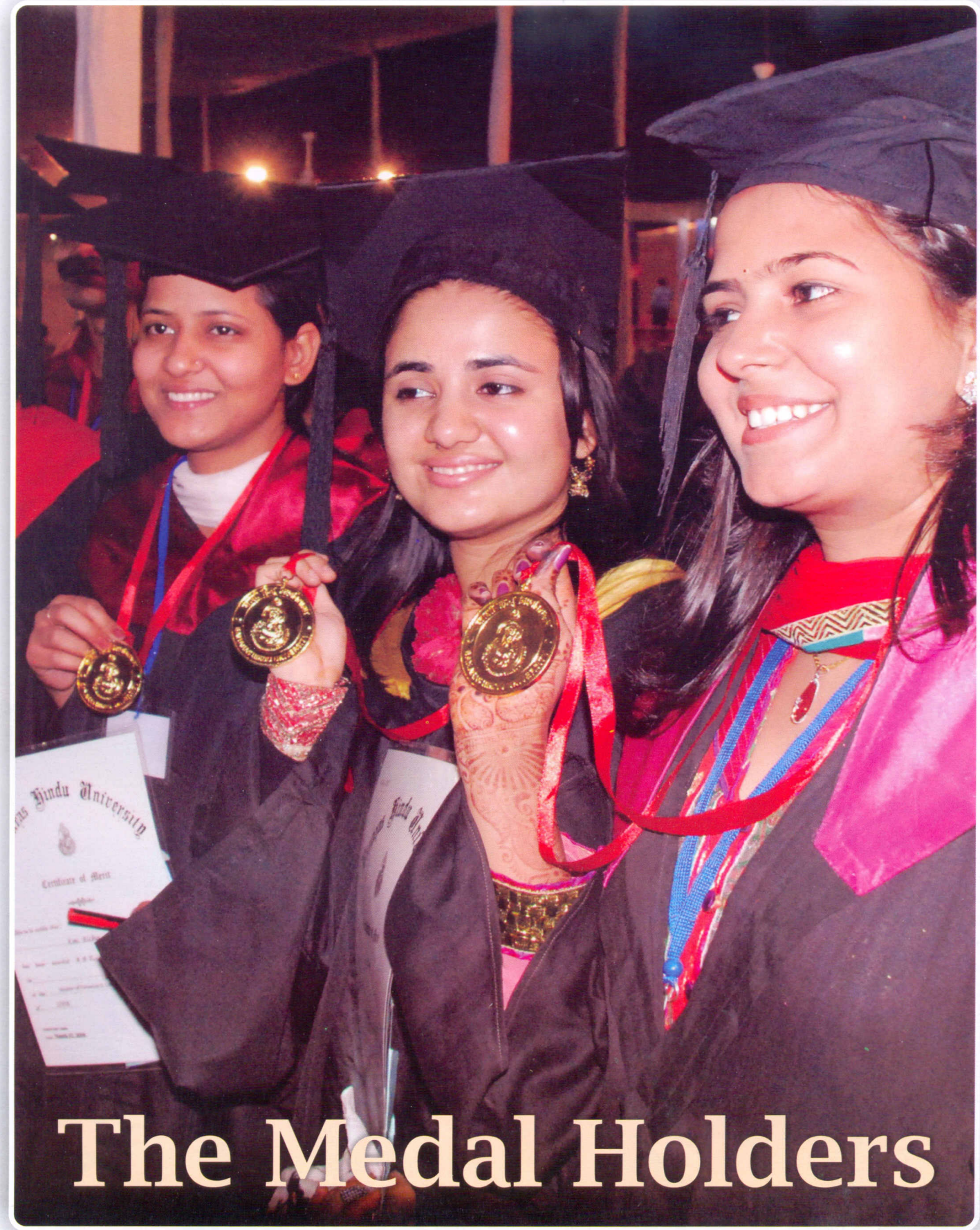

The Medal Holders

The Medal Holders

Technology: Awarded to Sri Veeresh Vikram Singh for standing first at the B. Tech. Part IV in Computer Sc. Engg. Exam., 2008

Awarde to Km. Leela Joshi for standing First at the M.Tech. in Materials Science & Technology Exam., 2008.

Medicine : Awarded to Km. Madhvi for standing First at the MBBS Final Examination 2007.

Awarded to Shri. Shashi Kant Patne for securing highest mark in MD/MS (Final) Examination 2008.

Ayurveda: Awarded to Km. Durgesh Nandini for securing highest marks n BAMS Final Professional Exam., 2006.

Awarded to Smt. Kashika Sharma for securing highest marks in MD (Ay.)/MS(Ay.) Preliminary Examination and complete MD MD (Ay.)/MS(Ay.) Final Pt. II Exam., 2008.

Agriculture: Awarded to Km. Rupali for standing First at the B.Sc. (Ag.) Examination 2008.

Awarded to Shri Uday Pratap Singh for standing First at the M.Sc. (Ag.) Horticultrue Examination 2008.

Science: Awarded to Km. Vinita Lal for securing highest Percentage of marks at the M.A./M.Sc. Exam., 2008.

Awarded to Km. Vinita Lal for standing First in M.Sc. Environmental Sc. Exam., 2008.

Art: Awarded to Shri Ravi Prakash for standing First in B.Sc. (Hons.) Exam., 2008.

Awarded to Km. Rashmi Rai for standing First in M.A. Sanskrit Exam. 2008.

Awarded to Shri Sakrikar Rudraksha Vishwas. for standing First in M.A. Sanskrit Exam., 2008.

Social Science: Awarded to Km. Vidhi. Pandey for standing first in M.A./M.Sc. Psychology Exam., 2008.

Awarded to Km. Shiuli Vanaja for securing highest percentage of marks in B.A. (Hons.) Exam., 2008. (Social Stream)

Commerce: Awarded to Km. Bhawna Jalan for standing first at the B.Com. (Hons.) Exam., 2008.

Awarded to Km. Richa Pathak for standing first at the M.B.A. (F/T) Exam., 2008.

Management: Awarded ot Km. Janhavi Jalan for Standing first at the B.Ed. Examination 2008.

Education: Awarded to Shri Ashish Mishra for standing first at the B.Ed. Examination 2008.

Awarded to Shri Mohit Raj for standing first at the M.Ed. Examination 2008.

Law: Awarded to Km. Namrata Singh for standing first at the LL.B Examination 2008.

Awarded to Shri Anupam Kumar Mishra for standing first at the LL.M (Final) Examination 2008.

Visual Arts: Awarded to Shri Sagar Manandhar for standing first in painting at the IV year Integrated Course in Fine Art Examination 2008.

Awarded to Km. Shatarupa Chatterjee for standing first in M.F.A. Applied Art Examination 2008.

Performing Arts: Awarded to Km. Shalini for standing first at the B.Mus. (Vocal) Examination 2008.

Awarded to Shri Daushka Prabhath Kumar Jaymuthuge for standing first at the M.Mus. (Inst.) Examination 2008.

S.V.D.V.: Awarded to Shri Neeraj Kumar Bhargave for standing first at the shastri (Hons.) Examination 2008.

Awarded to Shri Kanchan Tiwari for standing first in Sahitya at the Acharya Examination 2008.

NUMBER OF GRADUANDS IN VARIOUS CATEGORIES

S.No.	Name of Faculty	D. Litt/ D. Sc.	Ph.D	P. G.	U. G.	Total	Annex.
1.	Agriculture	-	18	77	96	191	A
2.	Ayurveda	-	11	27	26	64	B
3.	Dental Science	-	-	02	-	02	B
4.	Medicine	01	07	91	51	150	B
5.	Engineering & Technology	-	18	168	380	566	C
6.	Arts	01	63	477	1187	1728	D
7.	Performing Arts	-	01	32	38	71	E
8.	Visual Arts	-	01	39	54	94	F
9.	Commerce	-	03	109	356	468	G
10.	Education	-	07	44	497	548	H
11.	Law	-	05	38	224	267	I
12.	Management Studies	-	02	99	-	101	J
13.	Science	-	51	459	429	939	K
14.	Social Science	-	19	308	792	1119	L
15.	Sanskrit Vidya Dharma Vigyan (S.V.D.V.)	-	01	20	43	64	M
	Total	02	207	1990	4173	6372	

GLIMPSES

GLIMPSES

BANARAS HINDU
MARCH 13

91ST
CONVOCATION

91ST CONVOCATI
BANARAS HINDU UNIV
MARCH 13, 2009

91ST CONVOCATI
BANARAS HINDU UNIV
MARCH 13, 2009

Patil to grace BHU convocation

Anuraag Singh
Varanasi, March 9

PRESIDENT PRATIBHA Patil will be the chief guest at the 91st convocation of Banaras Hindu University on March 13.

The President-also the Visitor of BHU-will release a first-of-its-kind BHU environmental calendar at the convocation to be held at Amphitheatre Ground of the sprawling university campus.

On the occasion the Chancellor's Medal-the most prestigious of all awards-will be awarded to Vinita Lal, the topper of M.Sc (Environment Science) 2007-08 academic session.

PRATIBHA PATIL
President

Lal is presently on a prestigious research fellowship on Atmospheric Modelling in the US.

Interestingly, 16 of the 28 medal winners are girls.

As many as 17 of the 20 students in MSc (Environment Science) batch are also girls.

"The convocation will be a seminal event in context of women empowerment in the country with the first woman president of the country gracing the occasion in which most medal winners will also be women," BHU V-C Prof DP Singh told Hindustan Times in an exclusive interview.

Earlier, in 2006 then President APJ Abdul Kalam was the chief guest at the convocation while his deputy Bhairon Singh Shekhawat graced the occasion a year later.

Prime Minister Manmohan Singh was the chief guest at the convocation in 2008.

बीएचयू में आज दीक्षांत भाषण करेंगी राष्ट्रपति

वाराणसी, हमारे प्रतिनिधि : काशी हिंदू विश्वविद्यालय के एम्फीथियेटर मैदान में 13 मार्च को राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल दीक्षांत भाषण करेंगी। विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए वह शुक्रवार को बाबतपुर एयरपोर्ट से दोपहर 12.50 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा बीएचयू हेलीपैड पर पहुंचेंगी। लक्ष्मणदास अतिथि गृह में विश्राम के बाद वह 5.30 बजे दीक्षांत समारोह स्थल पर आएंगी। समारोह के दौरान महामहिम विश्वविद्यालय के 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए एमएससी पर्यावरण विज्ञान की छात्रा रहीं विनीता लाल को चांसलर एवार्ड दिया जाएगा। साथ ही सत्र 2007-08 की डीलिट्/डीएससी, पीएचडी, स्नातकोत्तर व

■ शेष पृष्ठ 2 पर

राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल 13 मार्च को बीएचयू मे आयोजित दीक्षांत समारोह मे भाग लेंगी तथा अगले दिन बाबा विश्वनाथ मंदिर मे दर्शन पूजन करेंगी। प्रोटोकाल कार्यालय के मुताबिक श्रीमती पाटिल 13 मार्च को भारतीय वायु सेना के विमान से दिन 12.20 बजे बाबतपुर हवाईअड्डा पहुंचेंगी। वहां से वायु सेना के हेलीकाप्टर से 12.50 बजे बीएचयू हेलीपैड पर उतरेंगी। फिर एलडी गेस्ट हाउस जाएंगी। लंच के बाद थोड़ी देर विश्राम करेंगी। तत्पश्चात बीएचयू के एम्फी थियटर मैदान मे आयोजित दीक्षांत समारोह मे शाम 5.30 पहुंचेंगी। वह यहां शाम 6.45 बजे तक रहेंगी। फिर एलडी गेस्ट हाउस लौट आएंगी। राष्ट्रपति बीएचयू के कुलपति की ओर से सवा आठ बजे आयोजित रात्रिभोज मे शामिल होंगी। इसके बाद एलडी गेस्ट हाउस मे विश्राम करेंगी।

विश्वनाथ मंदिर में अब एक घंटा पूर्व पहुंचेंगी महामहिम

महामहिम एलडी गेस्ट हाउस से अब 14 मार्च को सुबह 8.45 बजे काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगी। नौ से दस बजे तक मंदिर मे दर्शन-पूजन करेंगी। पहले एलडी गेस्ट हाउस से पूर्वाह्न 9.45 बजे विश्वनाथ मंदिर प्रस्थान के लिए कार्यक्रम तय था। विश्वनाथ मंदिर प्रशासन का कहना है कि महामहिम के आगमन को देखते हुए सुबह सात से 10 बजे तक यानी तीन घंटे तक विश्वनाथ मंदिर मे अन्य श्रद्धालुओं के लिए दर्शन पूजन संभव नहीं होगा। इसके पूर्व भी छत्ताद्वार से किसी श्रद्धालु को प्रवेश नहीं मिलेगा। जिनके पास कार्यक्रम के बावत पास होगा, सिर्फ उन्हें ही प्रवेश मिलेगा। महामहिम दर्शन पूजन के बाद सीधे एलडी गेस्ट हाउस जाएंगी। तत्पश्चात बीएचयू हेलीपैड आएंगी। हेलीकाप्टर से फिर 10.55 बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगी। पूर्वाह्न 11 बजे वायुसेना के विमान से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

छतों पर भी तैनात होंगे सुरक्षाकर्मी

राष्ट्रपति का दौराः आकाश से लेकर ज़मीन तक रहेगी निगहबानी

वाराणसी। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी पाटिल की सुरक्षा के लिए आकाश से लेकर जमीन तक कड़ी निगहबानी रहेगी। सुरक्षा घेरा मजबूत करने के लिए एलडी गेस्ट हाउस से लेकर विश्वनाथ मंदिर तक के रास्ते में पड़ने वाले 200 घरों की छतों पर अत्याधुनिक असलहों से लैस जवान तैनात किए जाएंगे।

जिला पुलिस के अनुसार महामहिम की सुरक्षा के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर बीएचयू तक के रास्ते को दो जोन और चार सेक्टरों में बांटा गया है। एक सेक्टर में दो सब सेक्टर बनाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए डीआईजी पीसी मीणा ने पुलिस मुख्यालय से चार पुलिस अधीक्षक, 13 एडिशनल एसपी, 35 पुलिस उपाधीक्षक, लगभग दो सौ उपनिरीक्षक, 1700 कांस्टेबुल और 11 कंपनी अर्धसैनिक बलों की मांग की है। चार कंपनी पीएसी और दो कंपनी एसएसबी मिल चुकी है। राष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए दो सौ ऐसे घरों को चिन्हित किया गया है जिनकी छतों पर अत्याधुनिक असलहों से लैस जवान तैनात रहेंगे। दर्शन-पूजन के लिए काशी विश्वनाथ मंदिर आगमन से दो घंटे पहले ही बीएचयू से उधर आने वाले सारे रास्ते सील कर दिए जाएंगे। केंद्रीय खुफिया विभाग के अनुसार महामहिम के पति दुर्गाकुंड में डा. विजय सिंह से मिलने वाले हैं। डा. सिंह के बारे में खुफिया विभाग ने सारी जानकारियां इकट्ठा कर ली हैं। आईजी रेंज गुरदर्शन सिंह सुरक्षा संबंधी तैयारियों की प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं।

महामहिम ने कई को मिलने का दिया समय

वाराणसी। एलडी गेस्टहाउस में राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से कई संभ्रांत नागरिक मुलाकात करेंगे। अपर जिलाधिकारी कानून-व्यवस्था अनिल पांडेय ने बताया कि महामहिम ने कुंवर अनंत नारायण सिंह, राजकुमारी कृष्णप्रिया और उनके पति डा. अशोक सिंह को मुलाकात का समय दिया है। इसके अलावा संस्कृत विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. वी कुटुंब शास्त्री, बीएचयू के आचार्य डा. देवी प्रसाद देवी और उनके पुत्र शिव शक्ति प्रसाद, डा. विजय सिंह और उनकी पत्नी शीला सिंह, डा. जितेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रो. आनंद मोहन, प्रो. पीबी सिंह, प्रो. एसबी सिंह, काशी विद्यापीठ के डा. कृष्ण चंद्र पांडेय, सर्वेश्वरी समूह (पड़ाव) के अध्यक्ष पूज्य गुरुपद संभव रामजी भी राष्ट्रपति से मिलेंगे।

दो घंटे पहले पहुंचें परीक्षार्थी

वाराणसी। राष्ट्रपति के नगर भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ट्रैफिक डीपीएन पांडेय ने शहर के विभिन्न मार्गों पर 14 मार्च की सुबह सात बजे से यातायात प्रतिबंधित कर दिया है। इसके चलते बड़ी संख्या में छात्रों के परीक्षा से वंचित हो जाने की आशंका पैदा हो गई है। क्योंकि सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा सुबह साढ़े दस बजे से शुरू होती है। इसकी जानकारी होने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस अधिकारियों ने विचार विमर्श करके परीक्षार्थियों को दो घंटे पहले परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने का अनुरोध किया है। एसपी ट्रैफिक ने पुलिस अधिकारियों से कहा है कि दो घंटा पहले परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र देखने के बाद उन्हें केंद्र पर जाने दें। परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र साथ रखना होगा।

'राष्ट्रपति भवन' बनेगा गेस्टहाउस

दो दिवसीय दौरे पर 13 को बनारस पहुंचेंगी महामहिम

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय का लक्ष्मण दास अतिथि गृह दो दिनों के लिए राष्ट्रपति भवन में तब्दील हो जाएगा। गेस्ट हाउस के पास के रास्तों से किसी को गुजरने की अनुमति नहीं होगी। राष्ट्रपति खुद कमरा नंबर एक में रुकेंगी। गेस्ट हाउस को बेहतरीन संचार सुविधाओं से लैस किया जाएगा ताकि जरूरत पड़ने पर वह देश के किसी भी कोने में संपर्क कर सकें। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल दीक्षांत समारोह के सिलसिले में 13 और 14 मार्च को यहां रहेंगी।

राष्ट्रपति भवन में सैकड़ों कमरे हैं और एलडी गेस्ट हाउस में कमरों की संख्या इकाई में है। पर राष्ट्रपति लगातार यहीं से अपने आवास के संपर्क में रहेंगी। गेस्ट हाउस को पूरी तरह खाली करा लिया गया है। उसके सभी कमरों में राष्ट्रपति, उनके परिजन और उनके कार्यालय के कुछ वरिष्ठ अधिकारी रुकेंगे। उनकी जरूरतों के लिहाज से गेस्ट हाउस में सुविधाएं जुटाई जा रही हैं। कमरों के पर्दे बदले जा रहे हैं। कमरा नंबर एक में पिछले साल के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह रुके थे। इसी कमरे को राष्ट्रपति के लिए सजाया गया है। उसके पर्दे और फर्नीचर आदि बदले गए हैं।

गेस्ट हाउस में नए कंप्यूटर लगाए गए हैं। उनमें हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा मुहैया कराई गई है। साथ ही हाटलाइन फोन की सुविधा है। सिक्रा फोन लगाए गए हैं। इन टेलीफोन से बात करने पर उसकी तुरंत कोडिंग हो जाती हैं। इस तरह होने वाली बातचीत को बीच से ट्रैप नहीं किया जा सकता है। फोन उठाते ही सीधे राष्ट्रपति भवन के एक्सचेंज से संपर्क हो जाएगा। सारी बातचीत उसी कार्यालय के माध्यम से होगी। गेस्ट हाउस खाली कराकर प्रशासन को सौंप दिया गया है। राष्ट्रपति की सेवा गेस्ट हाउस के कर्मचारी ही करेंगे। पर उन पर प्रशासन की निगरानी रहेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वविद्यालय की हवाई पट्टी पर स्वागत के लिए जरूरी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। वहां कुलाधिपति, कुलपति के अलावा चीफ प्राक्टर, रजिस्ट्रार आदि मौजूद रहेंगे। इसके अलावा साथ में हाईटेक एंबुलेंस भी तैनात रहेगी और चिकित्सालय में भी सारी व्यवस्था होगी। उधर स्वास्थ्य विभाग ने भी सात टीमें बनाई हैं, जो बाबतपुर हवाई अड्डे से लेकर बीएचयू तक तैनात रहेंगी।

सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

वाराणसी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के मद्देनजर अब तक की गई तैयारियों की सोमवार को समीक्षा की गई। तय किया गया कि बाबतपुर तथा बीएचयू हैलीपैड से लेकर विश्वनाथ मंदिर तक सभी सुरक्षा बिंदुओं पर एडीएम स्तर के मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई जाएगी। बैठक के बाद जिलाधिकारी अजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि बाबतपुर, बीएचयू हेलीपैड, एलडी गेस्ट हाउस, एंफीथियेटर, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अलावा राष्ट्रपति के आने तथा जाने के प्रस्तावित मार्ग के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। इनके अलावा बीएचयू के दो अन्य स्थानों पर भी कुछ लोग रुकेंगे, वहां भी मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है। बीएचयू से मंदिर तक आने तथा जाने के रास्ते के अलावा अन्य स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की जा रही है।

राष्ट्रपति के आने तक सील रहेगा एयरपोर्ट

14 को 11 बजे दिल्ली के लिए भरेंगी उड़ान

वाराणसी। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल शुक्रवार को बनारस पहुंचेंगी। उनके आने तक एयरपोर्ट को सील रखने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में जहां एयरपोर्ट पर विमान से रिहर्सल किया गया, वहीं अर्द्धसैनिक बलों के साथ गुरुवार की दोपहर सुरक्षाकर्मियों ने एयरपोर्ट से लेकर बीएचयू और विश्वनाथ मंदिर तक सुरक्षा का पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान फ्लीट में पुलिस की 56 गाड़ियां शामिल रहीं।

12 बजे के बाद भरी जा सकेगी उड़ान

राष्ट्रपति के आगमन के मद्देनजर गुरुवार को एयरपोर्ट कांफ्रेंस हाल में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान लिए गए निर्णय के मुताबिक महामहिम के आने तक किसी भी विमान के उड़ान भरने पर रोक लगा दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि महामहिम का हेलीकाफ्टर 12 बजे तक बीएचयू में प्रवेश कर लेगा। इसके पहले मुंबई और दिल्ली से आने जाने वाले विमान रोक दिए जाएंगे। इसके पहले सेना के तीन हेलीकाप्टर एयरपोर्ट पहुंचे। सेना के अधिकारियों ने एयरपोर्ट की सुरक्षा का जायजा लेने के बाद बीएचयू तक उड़ान भरकर रिहर्सल किया। रूट पर भी रिहर्सल किया गया।

राष्ट्रपति के हेलीकाप्टर से बीएचयू पहुंचने व वहां से दीक्षांत समारोह स्थल तक जाने का गुरुवार को दिन में कुछ इस तरह हुआ रिहर्सल।

वाराणसी आयीं राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित हेलीपैड पर हेलीकाप्टर से उतरती हुईं।

बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचीं राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल का हर हर महादेव का उद्घोष कर स्वागत करते नगरवासी।

NEWS CLIPPINGS

President prays for nation's prosperity

HT Correspondent
Varanasi, March 14

PRESIDENT PRATIBHA Devisingh Patil on Saturday offered special prayers at the world famous Kashi Vishwanath Temple to rid the nation of terrorism and economic uncertainty.

The President offered prayers at the temple along with her husband, Dr Devisingh Shekhawat on Saturday morning, amid tight security.

The couple performed 'Saghan Rudrabhishek,' with 51 litres of milk and prayed for the socio economic prosperity of the nation, informed Niraj Pandey, one of the priests who solemnised the 'pujan'.

KV Temple Trust Chairman Harihar Kripalu Triapthi welcomed the President at the temple complex.

The religious ceremony all for peace and prosperity of the nation, began with offering prayers to Kal Bhairav followed by Shanti Path and Ganapati Atharwa Shirsh Path by Acharya Dwivedi and four junior priests, including Niraj Pandey.

Then began the all-important 'Rudrabhishek' of the jyotirlinga by the President for ridding the nation of terrorism as well as political and economic uncertainty.

The Rudrabhishek made way for grand 'aarti' followed by 'pushpanjali', after which the priests gave prasad to the country's first citizen'.

The prasad included a saree offered to goddess Parvati and a sphatik garland. Dr Devisingh Shekhawat got a dhoti-kurta along with a Rudraksha garland.

Later, the temple trust chairman presented a memento to the esteemed visitor.

The president then left for New Delhi.

MANSOOR ALAM/HT

(Top) The President after offering prayers at Kashi Vishwanath Temple, in Varanasi on Saturday. (Below) Environmental Calendar of BHU that was unveiled by the president.

- The religious ceremony began with offering prayers to Kal Bhairav
- Followed by Shanti Path and Ganapati Atharwa Shirsh Path
- Then began 'Rudrabhishek' of the jyotirlinga by the President
- The Rudrabhishek made way for grand 'aarti' followed by 'pushpanjali',
- After which the priests gave prasad to the country's first citizen'

बीएचयू हवाईपट्टी पर राष्ट्रपति का स्वागत करते कुलपति प्रो. डीपी सिंह।

-जागरण

राष्ट्रपति संग राष्ट्रगान : रग-रग में उठा जोश का तूफान

वाराणसी : वैसे तो बीएचयू में अनगिनत बार राष्ट्र की वंदना में राष्ट्रगान हुआ है लेकिन शुक्रवार को राष्ट्रगान की यही पंक्तियां रग-रग में जोश का तूफान उठा गई। हजारों की संख्या में मौजूद दीक्षांत समारोह की भीड़ ने जब अपने राष्ट्राध्यक्ष के साथ सुर में सुर मिलाकर राष्ट्रगान किया तो यह क्षण लोगों के लिए अविस्मरणीय बन गया। समारोह के दौरान दो बार राष्ट्रगान हुआ। पहला तो राष्ट्रपति के मंच पर पहुंचते ही दूसरी बार समारोह के अंत में सबने मिलकर राष्ट्र की वंदना की। पहली बार जब हजारों लोग राष्ट्रगान कर रहे थे तो ऐसी स्वतःस्फूर्त ऊर्जा का संचार हुआ कि राष्ट्रगान की समाप्ति के साथ ही विद्यार्थियों की दर्शक दीर्घा से 'भारत माता की जय' का नारा लग गया। मात्र 13 मिनट के भाषण में महामहिम ने युवाओं में राष्ट्रभक्ति की नई ऊर्जा का भी संचार किया। समारोह के दौरान संगीत एवं मंचकला संकाय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत बीएचयू का कुलगीत 'मधुर मनोहर अतीव सुंदर...' और डॉ. उपेंद्र पांडेय द्वारा किया गया मंगलाचरण भी अद्भुत अनुभव दे गया। महामहिम द्वारा तुलसीदास की पंक्ति 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई...' और चांसलर डॉ. कर्ण सिंह की ओर से काशी के माहात्म्य को उद्धृत करती पंक्ति 'वाराणसी पुरपतिम् भज विश्वनाथम्..' ने भी लोगों के दिलों को छू लिया।

वीसी ने दिया रात्रिभोज

कुलपति ने महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी[sic] पाटिल के सम्मान में विशिष्ट रात्रिभोज आयोजन किया। रात्रि आठ बजे से आयोजित खास दावत में महामहिम के पति देवी[sic] शेखावत, दिल्ली से साथ आए सैन्य व चिकि[sic] अधिकारी, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री अनंत मि[sic] काशी नरेश कुंवर अनंत नारायण सिंह, बीए[sic] कार्यकारिणी के सभी सदस्य (गिरीश कर्नाड छोड़कर) शामिल थे। दावत में कुल 22 अति[sic] आमंत्रित थे। बतौर कार्यकारिणी सदस्य इं[sic] गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्या[sic] (अमरकंटक) के कुलपति प्रो. सीडी सिंह रात्रिभोज के लिए पहुंचे थे। उनके साथ उन[sic] पत्नी व पुत्री भी थीं जिनका नाम अतिथियों सूची में न होने की वजह से उन्हें लौटा दिया ग[sic]

Motorcade of President Pratibha Patil proceeding towards LD Guest House from Helipad in Banaras Hindu University on Friday

Pioneer

ये हैं बीएचयू के गोल्ड मेडलिस्ट

वाराणसी। बीएचयू के 91वें दीक्षांत समारोह के दौरान राष्ट्रपति और विवि की विजिटर डा. प्रतिभा देवीसिंह पाटिल 28 छात्रों को बीएचयू मेडल प्रदान करेंगी।

विज्ञान संकाय की एमए/एमएससी में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने तथा एमएससी इनवायरनमेंटल साइंस में अव्वल आने वाली विनीता लाल के खाते में दो मेडल जाएंगे। मेडल पाने वालों अन्य छात्रों में बीटेक अंतिम वर्ष कंप्यूटर साइंस के वीरेश विक्रम, एमटेक मैटीरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी की लीला जोशी, एमबीबीएस की माधवी, एमडी/एमएस के शशिकांत, बीएएमएस की दुर्गेश नंदिनी, एमडी /एमएस आयुर्वेद श्रीमती काशिका शर्मा, बीएससी कृषि की रूपाली, एमएससी कृषि के उदय प्रताप, बीएससी के रवि प्रकाश, बीए के दुर्गेश मिश्र, एमए संस्कृत की रश्मि राय, एमए संस्कृत के एसआर विश्वास, एमए/एमएससी मनोविज्ञान की विधि पाण्डेय, बीए सामाजिक विज्ञान की सिउली बनाजा, बीकाम की भावना जालान, एमएफसी स्पेशल कोर्स की ऋचा पाठक, एमबीए की जाह्नवी जालान, बीएड के आशीष मिश्र, एमएड के मोहित राज, एलएलबी की नम्रता सिंह, एलएलएम के अनुपम कुमार मिश्र, बीएफए के लिए सागर मनंधर, एमएफए एप्लाइड आर्ट की शतरूपा चटर्जी, बीम्यूज वोकल की शालिनी, एमम्यूज इंस्ट्रूमेंटल के डी प्रभात, शास्त्री के नीरज कुमार भार्गव एवं आचार्या के कंचन तिवारी शामिल हैं।

राष्ट्रपति ने 6371 डिग्रीधारकों को किया दीक्षित

■ डा. कर्ण सिंह ने संस्कृत में समारोह के शुभारंभ की घोषणा की

कार्यालय संवाददाता वाराणसी

बीएचयू का एम्फीथियेटर मैदान शुक्रवार की शाम अकादमिक वस्त्र में विद्वत परिषद मण्डल के आगमन के साथ ही दीक्षांत समारोह के आलोक से आलोकित हो गया। ड्रम की थाप के साथ 91वें दीक्षांत समारोह में विद्वत परिषद मण्डल समारोह स्थल पर पहुंचा। मण्डल की अगुवाई कुलसचिव डा. केपी उपाध्याय कर रहे थे तो आखिरी में मंच पर पहुंची महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल। महामहिम के मंचासीन होते ही तालियों से आयोजन स्थल गूंज उठा। दीक्षांत समारोह में 6371 डिग्रीधारकों को दीक्षित करते हुए महामहिम ने 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई' का संकल्प दिलाया तो कुलाधिपति डा. कर्ण सिंह ने अनुशासन का पाठ पढ़ाया। एम्फीथियेटर मैदान राष्ट्रपति की गरिमामय उपस्थिति से प्रकाशमान रहा। डिग्री हासिल करने वाले छात्रों ने महामना के बताये मार्ग पर चलने की शपथ ली तो उपस्थित गणमान्य नागरिक, शिक्षक, कर्मचारी, वर्तमान और पूर्व छात्र साक्षी बने।

कुलाधिपति डा. कर्ण सिंह ने दीक्षांत समारोह के शुभारंभ की घोषणा संस्कृत में 'अद्य दीक्षान्तमहोत्सवं प्रारभ्यम् उद्घोषयामि' से की। प्रो. उपेन्द्र पाण्डेय ने मंगलाचरण किया। कुलपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने विवि के 15 संकाय, 140 विभाग, 15 सौ से ज्यादा शिक्षक, 7 हजार कर्मचारी और 25 हजार छात्रों की ओर से महामहिम सहित सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इसके बाद महामना के विजन से अवगत कराया। इसके बाद कुलाधिपति के समक्ष अभ्यर्थी खड़े हुए और प्रतिज्ञा ली। कुलसचिव डा. केपी उपाध्याय ने अनुपस्थित अभ्यर्थियों को उपाधि प्रदान करने हेतु प्रतिवेदन किया तो कुलाधिपति ने अभ्यर्थियों के संबंधित उपाधि का स्वीकरण किया।

इसके बाद विशिष्ट प्रतिभावान छात्रों को मंच पर कुलसचिव ने उपस्थित किया और उन्हें बीएचयू पदक से कुलाधिपति ने नवाजा। महामहिम ने दीक्षा भा[sic] नेक राह पर चलने की सलाह छात्रों को दी। कु[sic] धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कुलाधिपति ने दी[sic] समाप्ति की घोषणा की। आरंभ और अंत राष्ट्[sic] विवि के संस्थापक महामना पं. मदन मोहन [sic] प्रतिमा पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया [sic] पंडित के निर्देशन में कुलगीत का गायन [sic] कला संकाय के छात्र-छात्राओं ने किया।

महामहिम के श्रीमुख से

- काशी में पतित-पावन गंगा के साथ सांस्कृतिक विविधता की धाराएं बह रही हैं जो भारत की एक अनूठी पहचान है। यहां तुलसी ने मानस लिखा तो बुद्ध ने सत्य संदेश दिया।
- शिक्षा देश में समृद्धि लाती है। सभी को शिक्षा के अवसर मिलने चाहिए। महिलाओं को शिक्षा से सुसज्जित करने के लिए विश्वविद्यालयों को

Warm welcome to President

Pioneer News Service ■ Varanasi

The President, Mrs Pratibha Patil, along with her husband, family members and BHU Chancellor Dr Karan Singh arrived at Babatpur Airport around 12 noon by a special plane and at the airport she was warmly welcomed by the Mayor Kaushlendra Singh, son-in-law of former Kashi Naresh late Vibhuti Narayan Singh, Dr Ashok Singh and daughter Vishnupriya. They presented bouquets to the President.

The others who were also present there were Divisional Commissioner Suresh Chandra, Inspector General of Police Gurudarshan Singh, senior army officers. Later, the President boarded in an Air Force helicopter and then reached BHU helipad where the Vice-Chancellor Prof. DP Singh and senior university officers welcomed the President, who is also the visitor of the university.

In view of the visit of the President the entire university was decorated and at almost every important places security personnel were seen keeping watch on situation. The President will visit Kashi Vishwanath temple on Saturday morning.

After reaching LD Guest House, the President stayed there and after a brief stopover her husband Dr Devi Singh left the university to meet his 'Samdi' and famous homoeopathic doctor Dr Vijay Singh at latter's Gurudham Colony residence. The elder daughter of Dr Vijay Singh, Ritu was married in the family of Dr Devi Singh. At there, Dr Devi Singh took typical Rajasthani meal.

बीएचयू का 91वां दीक्षांत समारोह

देश का भविष्य युवाओं के हाथ में : राष्ट्रपति

कार्यालय संवाददाता वाराणसी

राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने कहा है कि भ्रष्टाचार में वृद्धि एवं युवाओं में बढ़ रही आपराधिक प्रवृत्ति देश के लिए घातक है। शुक्रवार को बीएचयू के 91वें दीक्षांत समारोह में श्रीमती पाटिल ने कहा कि सच तो यह है कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथ में है व युवा ही देश के भविष्य हैं। आह्वान किया कि युवा स्वार्थों व संकीर्णता से उठकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में आगे आएं।

बीएचयू के एम्फीथियेटर मैदान के भव्य पंडाल में शुक्रवार की शाम आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि अत्यधिक उपभोक्तावाद, धन की लालच से समाज का बड़ा नुकसान होगा। इससे प्राकृतिक संसाधनों पर अनावश्यक बोझ पड़ रहा है। कहा कि मौजूदा समय कई तरह की चुनौतियों का है। समृद्धि के बावजूद गरीबी, भुखमरी व बीमारियां मौजूद हैं। संगठित हिंसा, आतंकवाद नयी चुनौती के रूप में सामने है। ऐसे वक्त में उच्च शैक्षिक संस्थानों को खास भूमिका निभानी होगी। विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा का इस्तेमाल सामाजिक लक्ष्य हासिल करने में करें। समाज में समानता की भावना, गरीबी व अज्ञानता के निवारण के राष्ट्रीय अभियान में सुशिक्षित युवकों को अहम भूमिका निभानी होगी। उनकी व्यक्तिगत सफलताएं ऐसी हों जिनसे न केवल समाज बल्कि राष्ट्र को नयी उपलब्धियां हासिल हों। परोपकार, अहिंसा की भावना आज की बड़ी जरूरत है।

- आपराधिक प्रवृत्ति और भ्रष्टाचार घातक
- संकीर्णता त्याग राष्ट्र निर्माण में जुटें युवा
- विवि महिला शिक्षा पर दें खास ध्यान
- काशी में सांस्कृतिक विविधता की धाराएं

राष्ट्रपति ने कहा कि सभी को शिक्षा के अवसर मिलने चाहिए। शिक्षण संस्थाओं का दायित्व है कि समाज, शासन, विज्ञान, कला तथा साहित्य के क्षेत्र में योग्य एवं कुशल नेतृत्व उभारें। विश्वविद्यालयों से निकलने वाले विद्यार्थी देश व समाज के विकास में योगदान दे सकें। विवि शिक्षा का स्तर ही देश की प्रगति व समृद्धि का मापदंड है। विद्यार्थियों में ऐसे मानवतावादी मूल्यों का संचार होना चाहिए जो जीवनभर उनका मार्गदर्शन करते रहें। श्रीमती पाटिल ने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की विशेष भूमिका होती है। विश्वविद्यालयों को महिलाओं की शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी कार्य करने से पहले उस गरीब का चेहरा याद कर लें और खुद से पूछें कि क्या यह उस गरीब के लिए फायदेमंद होगा? विद्यार्थियों को सीख देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय, सहबंधुत्व और सहनशीलता की भावना से अनेकता में एकता के बीच फल-फूल रहा लोकतंत्र और सुदृढ़ होगा। महामहिम ने कहा कि आज का युग विज्ञान व सूचना प्रौद्योगिकी का है। (शेष पेज 15 व संबद्ध खबरें 7 पर)

नारी हो शिक्षित, युवा करें राष्ट्र निर्माण : पाटिल

अमर उजाला

सुअवसर : बीएचयू के 91वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल। साथ में हैं कुलाधिपति और कुलपति।

रोग, भुखमरी, आतंकवाद से लड़ाई का आह्वान

वाराणसी। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने कहा है कि देश कठिन और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। समृद्धि बढ़ रही है लेकिन गरीबी, भुखमरी और बीमारियों की चुनौती भी है। साथ ही संगठित हिंसा और आतंकवाद की चुनौती से भी जूझना पड़ रहा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के 91वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए युवाओं का आह्वान किया। साथ ही कहा कि देश का सर्वांगीण विकास महिलाओं की भागीदारी के बगैर नहीं हो सकता है। महिलाओं को शिक्षा, कौशल और ज्ञान से परिपूर्ण करना विश्वविद्यालयों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उनके इस वाक्य को सुनते ही लोगों को 2006 के दीक्षांत भाषण में तत्कालीन राष्ट्रपति अब्दुल कलाम की वह पंक्ति बरबस याद आ गई जिसमें उन्होंने देश की प्रगति के लिए युवाओं से आगे आने का आह्वान किया था।

खचाखच भरे एम्फीथिएटर मैदान में दीक्षांत भाषण में उन्होंने कहा कि आज परिवार के जीवन-निर्वाह के लिए पर्याप्त धन कमाना जरूरी है पर इसमें इतना जरूर ध्यान रखना चाहिए कि धन सही तरीके से कमाया जाए और उसका एक हिस्सा समाज कल्याण पर भी खर्च किया जाए। उपभोक्तावाद और धन के लालच से समाज को नुकसान हो रहा है। संसाधनों पर बोझ पड़ रहा है। भ्रष्टाचार वृद्धि और युवाओं में आपराधिक वृत्ति बढ़ रही है। राष्ट्रपति ने भारत को युवा राष्ट्र बताते हुए युवाओं में मानवीय मूल्यों का संचार करने की जरूरत पर बल दिया। महात्मा गांधी और गोस्वामी तुलसीदास का

सम्मान

बीएचयू के दीक्षांत समारोह में 6372 को उपाधियां दी गई

शेष पेज 2, संबंधित खबरें पेज 9 पर

NEWS CLIPPINGS

President unveils BHU environmental calender

HT Correspondent
Varanasi, March 14

PRESIDENT PRATIBHA Devisingh Patil launched the first-of-its-kind Environmental Calendar of Banaras Hindu University (BHU) here on Saturday.

BHU Chancellor Dr Karan Singh, V-C Prof DP Singh and directors of three institutes of BHU were also present at the function held at LD Guest House of the BHU.

The V-C briefed the President about the objective of the calendar, saying it would sensitize university family about important environmental issues and motivate students to work for a safe environment.

The calendar contains a list of national and international environment dates/events, spanning from World Wetland Day, World Water Day, World Biodiversity Day, World Environment Day to Bhopal Gas Tragedy-National Pollution Day.

HT

President Pratibha Patil unveiling the BHU environmental calender on Saturday

The central university will celebrate the listed days of environmental significance by organising seminars, lecture series and poster competitions.

Last evening, a ceremonial dinner was hosted by BHU Chancellor Dr Karan Singh at LD Guest House in honour of the President. Only a select few had been invited to the dinn... including some BHU Executive Council members and some prominent citizens, who were directly invited by Rashtrapati Bhawan, BHU official spokesperson Prof Rajesh Singh informed. A wide range of culinary delights, especially traditional Banarasi sweet d... acies like m... vere ...ests.

राष्ट्रपति ने जारी किया पर्यावरण कैलेंडर

अमर उजाला

पहल : बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन करने से पहले हरे शेड वाले पर्यावरण कैलेंडर का लोकार्पण करती महामहिम।

वाराणसी। राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने शनिवार को बीएचयू के पर्यावरण कैलेंडर को जारी किया। हरे शेड वाले इस कैलेंडर में पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण तिथियों को जगह दी गई है।

प्राथमिकता

कैलेंडर में पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण तिथियों को जगह

महामहिम सुबह मंदिर जाने के लिए तैयार हुईं तो उन्होंने नीली आभा युक्त हरी बनारसी साड़ी पहन रखी थीं। उसी समय कुलपति प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह के अनुरोध पर उन्होंने विवि में स्थापित होने वाले पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान की ओर से तैयार पर्यावरण कैलेंडर जारी किया। इस कैलेंडर में वर्ल्ड वेटलैंड डे, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, सुरक्षा दिवस, वानिकी दिवस, जल दिवस, मौसम दिवस, पृथ्वी दिवस, जैव विविधता दिवस, पर्यावरण दिवस, वन महोत्सव, जनसंख्या दिवस, ओजोन दिवस, कार फ्री डे, जीव कल्याण दिवस, युद्ध और सशस्त्र तनाव से दुनिया को मुक्त रखने, भोपाल गैस त्रासदी दिवस आदि का विवरण है। साथ ही गंगा दशहरा को भी शामिल किया गया है। इसके अलावा बीएचयू के संस्थापक मालवीय जी के जन्मदिन 25 दिसंबर को विवि में सस्टेनेबिलिटी डे के रूप में मनाने की बात कही गई है। कुलपति ने राष्ट्रपति को बताया कि वह मुख्य परिसर और बरकछा को पर्यावरण की दृष्टि से आदर्श बनाना चाहते हैं।

कुलपति ने कार्यभार संभालते ही पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान की स्थापना एवं पर्यावरण कैलेंडर जारी करने की घोषणा की थी। यूजीसी ने 11 वीं पंचवर्षीय योजना के तहत संस्थान की स्थापना के लिए साढ़े सात करोड़ की रकम दी है। उल्लेखनीय है कि चांसलर पदक के लिए चयनित विनीता लाल ने पर्यावरण विज्ञान में एमएससी में ही सर्वोच्च अंक हासिल किया।

राष्ट्रपति का संदेश

- देशभक्त नागरिक तैयार करना, राष्ट्रप्रेम की भावना जगाना ही शिक्षा की सही दिशा।
- महिला शिक्षा पर विश्वविद्यालय ध्यान दें। उन्हें कौशल और ज्ञान से सुसज्जित करें।
- सही तरीके से धन कमाना और कमाने के साथ-साथ समाज कल्याण करना जरूरी।
- गरीबी, भुखमरी व बीमारियां आज की सबसे बड़ी चुनौती।
- राष्ट्र के विकास में तेजी के लिए अपेक्षित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता।
- अनुसंधान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत ताकि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी हो।
- शिक्षा संपदा का इस्तेमाल सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति में करें।
- समानता की भावना, गरीबी और अज्ञानता के निवारण के राष्ट्रीय अभियान में युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।
- आज के माहौल में परोपकार व अहिंसा की भावना की सबसे बड़ी आवश्यकता।

NEWS CLIPPINGS

PREZ OFFERS PRAYERS AT KVT

TIMES NEWS NETWORK

Varanasi: President Pratibha Devi Singh Patil, along with her husband Devi Singh Shekhawat and other family members, offered prayers at the Kashi Vishwanath Temple and performing Rudrabhishek on Saturday before leaving for New Delhi.

Pt Harihar Kripalu Tripathi, the chairman of KVT Trust, performed the ritual of 'samkalp' to the President while five vedic pundits of the temple helped in performing other rituals like puja and Rudrabhishek. The Rudrabhishek was done with '1.25 man' (approximately 50 kg) cow milk, Tripathi told TOI. According to him, the President also did Pradakshina (circumambulating) and saw the temple top. She also offered prayer to other deities in the temple.

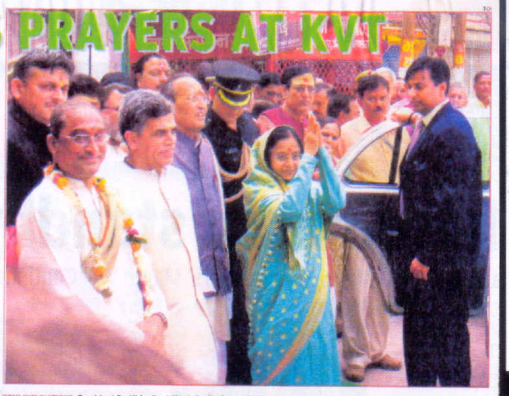

"She spent more than 1.15 hours in the temple," Tripathi said, adding she also took interest in the facilities for devotees at the temple. "While entering the temple premises through Chatta Dwar, she stopped near the statue of Nandi adjacent to the Gyanvapi well with folded hands. She was given a memento by the Temple Trust along with a Banarasi saree as prasad," he said. BHU chancellor Dr Karan Singh also accompanied the President.

Elaborate security arrangements were made in and around the temple during the President's visit. It may be mentioned here that during the two-day visit to the city, the President also attended the convocation at BHU on Friday.

HOLY INCLINATIONS: President Pratibha Devi Singh Patil, along with her husband Devi Singh Shekhawat, coming out of the Kashi Vishwanath Temple after offering prayers on Saturday

Prez releases environment calender of BHU

Varanasi: President Pratibha Devi Singh Patil launched the environment calendar of the Banaras Hindu University (BHU) before leaving for New Delhi on Saturday.

BHU vice-chancellor Prof DP Singh briefed the President about the aims and objectives of the environment calendar saying it would sensitise the university fraternity regarding important environmental issues and motivate students to work towards a safe environment. The calendar contains a list of national and international environmental issues. It is expected that identified departments of BHU will would programmes on the listed days.

BHU chancellor Dr Karan Singh, directors of the Institute of Medical Sciences (IMS) Prof Gajendra Singh, Institute of Technology Prof SN Upadhyaya and Institute of Agricultural Sciences Prof Shiv Raj Singh were present on the occasion. After launching the environment calendar the President went to the BHU helipad and left for Babatpur Airport in an Indian Air Force helicopter.

संगठित हिंसा और आतंकवाद चुनौती-प्रतिभा

युवाओं को वैयक्तिक व वर्गगत संकीर्ण भावनाओं से ऊपर उठना होगा

- बीएचयू में राष्ट्रपति का दीक्षांत भाषण
- विश्वविद्यालय द्वारा दी जा रही शिक्षा ही देश की समृद्धि का मापदंड
- उपभोक्तावाद व धन के लालच के कारण बढ़ रहा भ्रष्टाचार

देश में गरीबी, भुखमरी, बीमारी और आतंकवाद बड़ी चुनौती-प्रतिभा

- दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की उपलब्धियाँ
- महिलाओं की शिक्षा ...

They wish to serve the society

Medal tally: Girls outshine boys

(Top) President Pratibha Patil with other dignitaries and (above) the President addressing the gathering during the 91st convocation in Varanasi on Friday.

THE WINNERS

- 18 out of 28 medals were bagged by girl students
- Vinita Lal who was to be awarded BHU medal and Chancellor medal both was unable to attend the function as she is in the US

बाबा के दरबार में श्रद्धा से अभिभूत हुईं महामहिम

- घोडशोपचार पूजन के बाद किया सविधि दुग्धाभिषेक
- रजनीगंधा के फूलों से हुआ महामहिम का स्वागत

काशी विश्वनाथ का दर्शन करने पहुंची महामहिम का स्वागत करते संपूर्णानंद विवि के कुलपति।

Youths can play key role in removing social ills

President Patil addresses BHU convocation

Pioneer News Service ■ Varanasi

The President, Mrs Pratibha Patil called upon the youth to utilise their education for building a strong society and removing the prevailing inequality. She was delivering the convocation address at the 91st BHU Convocation at Amphitheatre ground in Banaras Hindu University (BHU) here on Friday evening.

President Pratibha Patil climbing the stage at Amphi-theatre ground — Pioneer

She said that India is a nation where the number of the youth here is maximum. She said that the future of the country is in the hands of the youth so they can play a key role in removing poverty and illiteracy from the society. In her four-page convocation address, she appealed to the youth not to work with narrow mindedness and selfish motives.

Quoting a couplets of Saint Tulsidas, she said that the service to others is the biggest 'Dharm' and giving pains to others is 'Adharm'. According to her, such service and non-violence are the need of the hour and added that whenever the youth found themselves in confusions, they should recall these lines to face the challenges of life.

Mrs Patil said that there are several challenges before the country. On one hand the country was making progress towards prosperity and on the other hand poverty, starvation and diseases are also prevailing. She also expressed concern over the violence and terrorism and advocated that to overcome all these lessons of human values should be given more emphasis in our university education system.

Quoting lines of Mahatma Gandhi, she said that seeing the poor and weak persons everyone should think that what they could do for them. She said that the emphasis of our education system should be such that it fulfil the needs of the society and promote the feelings of social justice, social harmony and patience among the youth.

She said that in this age of science and information technology, emphasis should be given on research so that the education should fulfil its objectives. She said that Kashi is a city of Indian culture and spiritualism. She also praised the BHU saying that it is a great centre of art, culture, music and science and various schools of thoughts flow here since long. It is also a city that produced several great scholars like Saint Tulsidas and Gautam Buddha gave his first sermon here.

The President, who is also visitor of BHU, said that Pt Madan Mohan Malviya set up this varsity in 1916 with an objective of nationalism and produce such persons who can serve the nation. She also highlighted the achievements of the varsity.

On the occasion, as many as 28 students were awarded with medals and certificates. Besides, as many as 63 Ph.D and one D. Litt degrees were conferred. The D. Litt degree was given to one of Faculty of Arts, while among Ph.D degrees, five were from Institute of Agricultural Sciences, 15 from faculty of Arts, eight from Faculty of Ayurveda (IMS), one from Commerce Faculty, four from Education Faculty, eight from Engineering and Technology Faculty (IT), one from Medicine Faculty (IMS), 19 from Science Faculty, three from Social Science Faculty and one from Faculty of Visual Arts.

Earlier, the Vice-chancellor, Prof. DP Singh delivered the welcome speech highlighting the university's glorious history and achievements. Important among those who were present on the dais were BHU Chancellor Dr Karan Singh, Vice-Chancellor Prof DP Singh, Dr Devi Singh and registrar Dr KP Upadhyay.

Besides, among the dignitaries several members of university executive council, vice-chancellors of both other local varsities and others were present.

शिक्षक बन तैयार करेंगे देश संवारने वाली प्रतिभाएं

FUTURE IN YOUTH : PRATIBHA

महामना को नमन : मालवीयजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं राष्ट्रपति.

प्रतिभा पाटिल को स्मृति चिह्न भेंट करते बीएचयू के चांसलर डॉ. कर्ण सिंह

From pg 1

- बीएचयू के 91 वें कन्वोकेशन में प्रेसीडेंट ने अति उपभोक्तावाद पर जतायी चिंता
- डेमोक्रेसी की मजबूती व डेवलपमेंट में सहयोगी बने शिक्षा प्रणाली
- स्टूडेंट्स में ह्यूमन वैल्यूज को स्प्रेड करें यूनिवर्सिटीज
- साइंस एंड टेक्नॉलजी पर रिसर्च को दें मैक्सिमम एनकरेजमेंट
- 28 मेरीटोरियस स्टूडेंट्स को मिले बीएचयू मेडल्स

VARANASI (13 Mar, I next) : राष्ट्रपति श्रीमती ...

SEEKING HEAVENLY BLESSINGS: President Pratibha Devi Singh Patil along with husband Devi Singh Shekhawat being welcomed by priests at the gate of Kashi Vishwanath temple in Varanasi on Saturday | P 2

सामाजिक व्यवस्था के उन्नयन की सीख दी

राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल की मौजूदगी में कुलाधिपति डा. कर्ण सिंह ने छात्रों को कराई प्रतिज्ञा

मेधा का मान... इन विद्यार्थियों को मिले मेडल

President

Unveiling

BHU's Environmental

Calendar

Press, Publication & Publicity Cell
Banaras Hindu University
Varanasi-221 005

admat 094152 01610